Prajapita Brahma Kumaris IshwariyaVishwaVidyalaya
Rajyoga Bhawan, Sector 33-A, Chandigarh,
Ph. 2601339, Mob. 9417777656

शान्ति व पवित्रता के रूहानी फरिशता थे ब्रहमा बाबा–जस्टिस जिन्दल

चण्डीगढ़, दिनांक 17–1–2010: पिताश्री ब्रह्मा बाबा के दिव्य कर्म व उनका जीवन दर्शन आज भी प्रेरणास्रोत बनकर लाखों लोगों के दिलों पर अंकित है। वह शान्ति व पवित्रता के रूहानी फरिश्ता थे। उन्होंने समस्त मानव जाति को ईश्वर के साथ जुड़ने व मूल्याधारित चरित्रवान जीवन जीने का सन्देश दिया । उनके द्वारा सिखाये गए राजयोग साधना से हम सहज ही अपने मन की सफाई कर सकते हैं। माताओं व बहनों को संस्था का प्रशासन सौंप कर उन्होंने महिला सशक्तिकरण की अद्भुत मशाल प्रस्तुत की है।

ये विचार पंजाब एंव हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ए.एन. जिन्दल ने ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 41वीं पुण्य तिथि के पूर्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। यह कार्यक्रम संस्था के क्षेत्रीय मुख्यालय राजयोग भवन, सैक्टर 33ए चण्डीगढ़ में विश्व शान्ति दिवस के रूप में आयोजित हुआ जिसमें अनेक नामीग्रामी लोगों द्वारा ब्रह्मा बाबा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

संस्था की उत्तरी क्षेत्रीय प्रमुख ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी अचल दीदी ने कहा कि 1936 में बाबा जब 60 वर्ष के थे तो उन्हें परमात्म शक्ति का साक्षात्कार हुआ और उन्हें स्वर्ग जैसी सतयुगी दुनिया के पुनर्निमाण करने का आदेश प्राप्त हुआ। देखते ही देखते बाबा ने करोड़ों रूपये की अपनी चल–अचल सम्पत्ति मानवता की भलाई के लिए समर्पित कर दी और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई । बाबा ने हर सितम, विरोध व रूकावटों को हंसते–हंसते पार किया तथा ऐसा स्नेह का जादू चलाया जो विरोधी भी उनके व्यक्तित्व के कायल हो गए।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार अमीरचन्द ने ब्रह्मा बाबा के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि बाबा का चुम्बकीय व्यक्तित्व हर किसी को आकर्षित करता था। वे अपने लौकिक जीवन में सादगी, सच्चाई, ईमानदारी व कर्मठता के लिए विख्यात थे जिसके बलबूते पर वे अपने समय के प्रसिद्ध हीरे–जवाहरात के व्यापारी बने। बाबा कहते थे कि सृष्टि का श्रृंगार मनुष्य हैं और मनुष्य का श्रृंगार उसके मूल्य हैं। उनके द्वारा 74 वर्ष पूर्व लगाया गया रूहानी बगीचा 9500 सेवाकेन्द्रों के माध्यम से विश्व के सातों महाद्वीपों में जन–जन के दुख, अशान्ति, परेशानी व तनाव को खत्म कर रहा है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी उत्तरा दीदी ने कहा कि बाबा ने संसार में रहते विषय वासनाओं व विकारों से मुक्त रहने का सन्देश दिया। उन्होंने स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का पाठ सबको अपने जीवन की धारणाओं द्वारा सिखाया। स्वंय निराकार परमात्मा ने उन्हें अपना माध्यम बनाकर युग परिवर्तन का कार्य आरम्भ किया।

ब्रह्माकुमारी सपना बहन ने राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास कराते हुए कहा कि ईश्वर से सम्बन्ध जोड़कर उसका अनुभव करना और परमात्म शक्ति को प्राप्त करना ही वास्तव में सच्चा राजयोग है। मैडिटेशन से ही हमें ईश्वर से शक्ति मिलती है। इसी संदर्भ में राजयोग भवन, सैक्टर 33ए में 19 जनवरी से 21 जनवरी 2010 तक राजयोग शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है। समय प्रातः 7 से 8 तथा सांय 6 से 7 बजे तक ।

ब्रह्माकुमारी कविता बहन ने मंच का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए कहा कि बाबा का स्मृति दिवस उनकी जीवन गाथाओं को तरोताजा कर देता है। ब्रह्मा बाबा का विश्व शान्ति के लिए किया गया योगदान भुलाया नहीं जा सकता।

सोमवार 18 जनवरी को ब्रह्मा बाबा के स्मृति दिवस पर चण्डीगढ़, मोहाली व पंचकूला में स्थित सभी 20 सेवाकेन्द्रों पर प्रातः 4.00 बजे से दोपहर तक लगातार योग तपस्या की जाएगी । शहर में हजार से भी अधिक भाई–बहनें अपने कार्य से अवकाश लेकर मौनव्रत धारण कर चारों तरफ विश्व में शान्ति के लिए तरंगे व प्रकम्पन फैलायेगें ।

प्रो0 ओंकार चन्द
मीडिया संयोजक–9417777656

ब्रह्माकुमारी अचल दीदी
ज़ोनल प्रमुख